AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

लविवि के सितारों ने मंगल तक बिखेरी चमक

महान वैज्ञानिक डॉ. बीरबल साहनी रहे यहां के शिक्षक तो मिशन मंगल की निदेशक डॉ. रितु रही हैं छात्रा

माई सिटी रिपोर्टर

डॉ. बीरबल साहनी

डॉ. रितु करिधल

लखनऊ। विज्ञान के क्षेत्र में लखनऊ विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने कई कीर्तिमान गढ़े हैं। भूगर्भशास्त्र के नाम से नया विषय शुरू करने वाले डॉ. बीरबल साहनी लविवि के शिक्षक थे तो मिशन मंगल की निदेशक डॉ. रितु करिधल श्रीवास्तव यहां की पूर्व छात्रा हैं। इसके साथ ही प्रदेश में पहली बार रेडियो प्रसारण का गौरव भी लविवि के नाम रहा है। सीमैप और सीडीआरआई के निदेशक भी लविवि के छात्र रह चुके हैं। पिछले सौ साल के दौरान लविवि से विज्ञान के क्षेत्र में एक से बढ़कर एक विभूतियां हुई हैं।

लविवि प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव के अनुसार विज्ञान की पढ़ाई में लविवि ने बुलंदियों को छुआ है। इस समय लखनऊ के साथ ही देश के प्रमुख वैज्ञानिक संस्थानों में लखनऊ के पूर्व छात्र विभिन्न पदों पर हैं। लविवि में वर्ष 1950 में नक्षत्रशाला भी स्थापित हो चुकी थी। उस समय किसी भी शैक्षणिक संस्था में स्थापित होने वाली यह पहली नक्षत्रशाला थी। गणित एवं खगोलविज्ञान विभाग में प्रो. एएन सिंह ने इसकी स्थापना की थी। यह प्रदेश की पहली तथा देश की कुछ चुनिंदा नक्षत्रशालाओं में से एक थी। इसके माध्यम से विद्यार्थी नक्षत्र देखने और उन्हें पहचानने के साथ उनकी सटीक गणना करना भी सीखते थे। वर्ष 1985 में भारतीय विज्ञान कांग्रेस के 72वें संस्करण के दौरान यह नक्षत्रशाला चालू हालत में थी। लविवि को बांटनी की एक नई विधा पेलियोबॉटनी का अविष्कार करने का श्रेय भी जाता है। विवि के बॉटनी विभाग के पहले विभागाध्यक्ष प्रो. बीरबल साहनी ने इसकी शुरुआत की। इस विधा में जीवाश्म पौधों का अध्ययन किया जाता है। प्रो. बीरबल साहनी ने सितंबर 1939 में पेलियोबॉटनी समिति का गठन किया। इस समिति के माध्यम से इस क्षेत्र में किये जाने वाले कामों पर शोधपत्रों का प्रकाशन किया गया। इसके बाद सदस्यों ने मिलकर वर्ष 1946 में पेलियोबॉटनी संस्थान की नींव रखी। प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने तीन अप्रैल 1949 को इसके भवन निर्माण की नींव रखी।

स्वर्णिम 100 वर्ष

ओलंपिक के मैदान तक छाए विवि के खिलाड़ी

लविवि के मैदान ने हॉकी में केडी सिंह बाबू और सुजीत कुमार समेत आधा दर्जन से ज्यादा ओलंपियन दिए हैं। इसके साथ ही क्रिकेट में सुरेश रैना से लेकर आरपी सिंह और अशोक बाम्बी जैसे खिलाड़ी भी रहे हैं। लविवि एथलेटिक्स एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष डॉ. नीरज जैन ने बताया कि लविवि में रोहेन के साथ ही टेनिस भी काफी उन्नत अवस्था में था। हॉकी, क्रिकेट और फुटबाल के साथ ही यहां पर टेनिस काफी लोकप्रिय था। एक समय यहां पर 18 टेनिस ग्राउंड हुआ करते थे। लविवि के ही पूर्व छात्र गौस मोहम्मद खान वर्ष 1939 में विम्बलडन में क्वार्टर फाइनल तक पहुंचे थे। उन्हें वर्ष 1971 में पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया। हॉकी के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी कुंवर दिग्विजय सिंह, मो. शाहिद, सैयद अली और सुजीत कुमार एथलेटिक्स एसोसिएशन से जुड़े रहे। लविवि ग्राउंड पर भारत पाकिस्तान के बीच एक क्रिकेट मैच भी हो चुका है। लविवि से इसके साथ ही कुश्ती और ताइक्वांडो के भी कई बड़े खिलाड़ी हो चुके हैं।

नीति आयोग के उपाध्यक्ष समेत प्रशासनिक अधिकारियों की नर्सरी भी रहा विवि

लविवि ने देश को शानदार आईएएस अधिकारी दिए हैं। इन अधिकारियों ने अपनी प्रशासनिक क्षमता से देश के शीर्ष पदों पर स्थान बनाया है। इन अधिकारियों में आज की तारीख में नीति आयोग के उपाध्यक्ष डॉ. राजीव कुमार का नाम शामिल है। इसी तरह पूर्व डीजीपी अतुल सगेत पूरे देश भर में सैकड़ों की संख्या में तैनात प्रशासनिक अधिकारी लविवि की भूमि से ही निकले हैं।

मुख्यमंत्री करेंगे शुभारंभ और प्रधानमंत्री समापन

कुमार विश्वास, रैना और अनूप जलोटा भी करेंगे शिरकत

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लविवि के शताब्दी समारोह की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। समारोह के दौरान होने वाले कार्यक्रमों और अतिथियों की सूची को अंतिम रूप दिया जा चुका है। समारोह का शुभारंभ प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे तो समापन समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वर्चुअली मौजूद रहेंगे। लविवि कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने मंगलवार को प्रेसवार्ता में बताया कि 19 नवंबर को शुरू होकर यह समारोह 25 नवंबर तक चलेगा। समारोह के दौरान कुमार विश्वास, मालिनी अवस्थी, अनूप जलोटा, डीजे नारायण और सलीम आरिफ अपनी प्रस्तुतियां देंगे। इस दौरान पूर्व विद्यार्थियों के साथ ही वर्तमान विद्यार्थी भी सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश करेंगे। क्रिकेटर सुरेश रैना भी समारोह की शोभा बढ़ाएंगे। वीसी ने बताया कि शुभारंभ के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी के साथ ही उपमुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा भी मौजूद रहेंगे, जबकि अंतिम दिन रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने आने की स्वीकृति दे दी है। प्रधानमंत्री वर्चुअली उपस्थित होंगे तथा विवि पर डाक टिकट, सिक्का, कॉफी टेबल बुक तथा डॉक्यूमेंट्री का विमोचन इसी समारोह में होगा। प्रो. राय ने बताया कि एक सप्ताह तक चलने वाले कार्यक्रम में शताब्दी व्याख्यान, आर्ट फेस्ट, साइंस फेस्ट, लिटरेरी फेस्ट समेत नुक्कड़ नाटक, हेरिटेज वाक व स्पोर्ट्स प्रतियोगिताएं होंगी। लविवि के विभिन्न विभागों में स्थित म्यूजियम भी इस समारोह के दौरान आम जनता के लिए खुले रहेंगे। स्कूली बच्चों व युवाओं के लिए भी विवि परिसर एक सप्ताह खुला रहेगा। वे यहां आकर विवि की ऐतिहासिक धरोहर, इमारत व म्यूजियम देख सकेंगे।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में कार्यक्रम की जानकारी देते लविवि वीसी।

सभी कार्यक्रमों की लाइव स्ट्रीमिंग

वीसी ने बताया कि समारोह के दौरान सभी कार्यक्रमों की लाइव स्ट्रीमिंग की जाएगी। इस तरह से लोग परिसर आये बिना यहां के कार्यक्रमों से जुड़ सकेंगे। कोविड-19 का पालन करने के लिए मालवीय सभागार में एक-एक सीट छोड़कर लोगों को बिठाया जाएगा।

दीक्षांत समारोह में मानद उपाधि के लिए राजभवन भेजे पांच नाम

लविवि ने इस साल दीक्षांत समारोह में मानद उपाधि देने के लिए पांच नाम राजभवन भेजे हैं। राजभवन से अनुमति मिलने के बाद इनमें से किसी एक नाम पर मुहर लगेगी। लविवि अपने दीक्षांत समारोह में हर साल किसी विशिष्ट हस्ती को मानद उपाधि प्रदान करता है। इस साल लविवि कोरोना के चलते शताब्दी समारोह के दौरान 21 नवंबर को सूक्ष्म रूप में दीक्षांत समारोह आयोजित कर रहा है। इसमें 15 मेडल दिए जाएंगे। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल दीक्षांत भाषण देंगी।

सात दिनों के कार्यक्रमों की रूपरेखा

19 नवंबर
उद्घाटन समारोह सुबह 11 बजे से 12 बजे तक। विरासत से परिचय सुबह 12:30 बजे, साहित्यिक उत्सव का आरंभ दोपहर 03:00 बजे, खेल उत्सव, बास्केट बाल मैच, बालीबॉल मैच, विज्ञान उत्सव, साहित्यिक उत्सव, का आयोजन किया जायेगा।

20 नवंबर
योग शिविर (विवि संकाय परिसर) सुबह 7.30 बजे। दीक्षांत समारोह सुबह 1:00 से, कला संग्रहालय (टेगोर पुस्तकालय) एवं हैप्पी थिंकिंग प्रयोगशाला का शुभारंभ। **विज्ञान एवं कला उत्सव-** सुबह 11.00 से शाम 4.00 बजे तक। फुटबाल मैच- दोपहर 1.00 बजे। **नुक्कड नाटक-** शुभारंभ दोपहर 2.00। साहित्यिक उत्सव (साहित्यिक उत्सव) किस्सागोई-'दास्तान-ए-तमन्ना-ए-सरफरोशी' हिमांशु बाजपेयी की प्रस्तुति- दोपहर 02.30 बजे। कथक प्रस्तुति डॉ. कुमकुम धर सायं 05.30 बजे। वर्तमान शताब्दी द्वारा प्रस्तुति सायं 06.30 बजे।

21 नवंबर
योग शिविर (पंचम परिसर) सुबह 7.30 बजे। दीक्षांत समारोह सुबह1:00 से, कला संग्रहालय (टेगोर पुस्तकालय) एवं हैप्पी थिंकिंग प्रयोगशाला का शुभारंभ। **विज्ञान एवं कला उत्सव-** सुबह 11.00 से शाम 4.00 बजे तक। फुटबाल मैच- दोपहर 1.00 बजे। **नुक्कड नाटक-** शुभारंभ दोपहर 2.00। साहित्यिक उत्सव (साहित्यिक उत्सव) किस्सागोई-'दास्तान-ए-तमन्ना-ए-सरफरोशी' हिमांशु बाजपेयी की प्रस्तुति- दोपहर 02.30 बजे। कथक प्रस्तुति डॉ. कुमकुम धर सायं 05.30 बजे। वर्तमान शताब्दी द्वारा प्रस्तुति सायं 06.30 बजे।

22 नवंबर
सेन्टीनियल वॉक विवि से राजभवन सुबह 6:30, राजभवन में आगमन सुबह 7.30 बजे। योग शिविर (मुक्ताकाशी मंच, कला महाविद्यालय) सुबह 7.30 बजे, छात्रों द्वारा पौधारोपण सुबह 8.30 बजे। **विरासत से परिचय-** सुबह 9.30 बजे। विज्ञान एवं कला उत्सव सुबह 11.00 से शाम 4.00 बजे। संग्रहालय से परिचय सुबह 11.00 से दोपहर 2.00 बजे। नुक्कड़ नाटक-दोपहर 12.00 बजे। साहित्यिक उत्सव (मालवीय सभागार) अनुपम खेर द्वारा आभासीय वक्तव्य- दोपहर 02.30 बजे। 'पासा' (नाट्य प्रस्तुति) निर्देशक : सलीम आरिफ, पवन **वर्मा की कविता :** पुष्पिंदर एवं द्रौपदी का गुलजार द्वारा अनुवाद, संप्रहीत एवं नाट्य रूपान्तरण-सायं 5.30 बजे।

23 नवंबर
योग शिविर (प्रगति, राजकीय आयुर्वेदिक महाविद्यालय, चौक) सुबह 7.30 बजे, विरासत से परिचय सुबह 9.30 बजे। **विज्ञान एवं कला उत्सव सुबह** -11.00 से, **संग्रहालय से परिचय-** सुबह- 11.00 बजे। **नुक्कड़ नाटक** दोपहर 1.00 बजे, हॉकी मैच दोपहर1.00 बजे। **साहित्यिक उत्सव-** पंकज प्रसून द्वारा प्रस्तुत साहेटनोट्स: विज्ञान व्यंग एवं कविता का संगम (मालवीय सभागार)- दोपहर 2.00 बजे। अटल बिहारी वाजपेयी स्मृति संध्या, कुमार विश्वास द्वारा कविता पाठ सायं 5.30 बजे।

24 नवंबर
एथलेटिक्स- सुबह 6.00 बजे, योग शिविर (यूनानी महाविद्यालय परिसर)- सुबह 7.30 बजे, विरासत से परिचय- सुबह 9.30 बजे, विज्ञान एवं कला उत्सव-11.00 बजे से, **संग्रहालय से परिचय-** 11.00 बजे से, नुक्कड़ नाटक दोपहर 12.00 बजे, साहित्यिक उत्सव अभिनव संस्कृत कवि सम्मेलन- दोपहर 2.30 बजे, पूर्व छात्रों का सम्मान प्रस्तुति- डी.जे. नारायण और अनूप जलोटा- सायं 4.30 बजे।

25 नवंबर
योग शिविर (प्रशासनिक भवन, द्वितीय परिसर)- सुबह 7.30 बजे, साहित्यिक उत्सव (मालवीय सभागार) विवि के शिक्षकों एवं छात्रों द्वारा कविता पाठ सुबह11.30 बजे, स्थापना दिवस उत्सव सायं 04:30 बजे।

NBT PAGE 4

ताल्लुकेदारों के चंदे में दिए गए 30 लाख रुपये से बना था एलयू

8 अक्टूबर 1920 को 'लखनऊ विश्वविद्यालय बिल' को पारित किया गया

शताब्दी समारोह के लिए लखनऊ यूनिवर्सिटी को रंगरोगन कर तैयार किया जा रहा है।

एनबीटी, लखनऊः अवध के ताल्लुकेदारों की ख्वाहिश थी कि कॉल्विन कॉलेज में 12वीं तक पढ़ाई करने के बाद होन्हार छात्र लखनऊ में ही बेहतर उच्च शिक्षा पाएं। यहां से लखनऊ विश्वविद्यालय की स्थापना की कवायद शुरू हुई। राजा महमूदाबाद, सर मोहम्मद अली मोहम्मद खान बहादुर ने विश्वविद्यालय की बुनियाद रखी। यूनाईटेड प्रोविंस के लेफ्टिनेंट गवर्नर सर हरकोर्ट बटलर ने इसमें अहम भूमिका निभाई।

कहा जाता है कि बटलर के शिक्षा के प्रति रुझान के बारे में राजा महमूदाबाद जानते थे। इसलिए, एक अखबार में लेख के माध्यम से उन्होंने अवध में विश्वविद्यालय की जरूरत पर जोर दिया। यहीं से बटलर प्रभावित हुए। 10 नवम्बर 1919 को हुई एक बैठक में इसे आवासीय यूनिवर्सिटी बनाने का फैसला लिया गया। 12 अगस्त 1920 में 'लखनऊ विश्वविद्यालय बिल' कुंवर महाराजा सिंह द्वारा विधान परिषद में रखा गया। काफी चर्चा और संशोधनों के साथ 8 अक्टूबर 1920 को इसे पारित कर दिया गया। उस समय राजा महमूदाबाद और जहांगीराबाद ने एक-एक लाख रुपये की धनराशि इसके निर्माण के लिए दी। ताल्लुकेदारों ने 30 लाख रुपए चंदा दिया था।

ज्ञानेंद्र नाथ चक्रवर्ती थे पहले कुलपति

इसके बाद कैनिंग कॉलेज और मेडिकल कॉलेज को विश्वविद्यालय की संगद्रता दी गई। इलाहाबाद विवि से सेवानिवृत्त रजिस्ट्रार ज्ञानेंद्र नाथ चक्रवर्ती को एलयू का पहला कुलपति बनाया गया था। उन्होंने 16 दिसम्बर, 1920 को 3000 रुपये प्रतिमाह की तनख्वाह पर पांच वर्ष के लिए कार्यभार संभाला।

आजादी के लिए बना संगठन

9 अगस्त 1925 को हुई काकोरी घटना में राष्ट्रीय क्रांतिकारियों के

30 लाख रुपए के चंदे से बना लविवि

राजा महमूदाबाद सर मोहम्मद अली मोहम्मद खान बहादुर ने विश्वविद्यालय की बुनियाद रखी। यूनाइटेड प्रोविंस के लेफ्टिनेंट गवर्नर सर हरकोर्ट बटलर ने अहम भूमिका निभाई। कहा जाता है कि बटलर के शिक्षा के प्रति रुझान के बारे में राजा महमूदाबाद जानते थे। इसलिए, एक अखबार में लेख के माध्यम से उन्होंने अवध में विश्वविद्यालय की जरूरत पर जोर दिया। यहीं से बटलर प्रभावित हुए। 10 नवम्बर 1919 को हुई एक बैठक में इसे आवासीय यूनिवर्सिटी बनाने का फैसला लिया गया। 12 अगस्त 1920 में 'लखनऊ विश्वविद्यालय बिल' कुंवर महाराजा सिंह द्वारा विधान परिषद में रखा गया। 8 अक्टूबर 1920 को इसे पारित कर दिया गया। उस समय राजा महमूदाबाद और जहांगीराबाद ने एक-एक लाख रुपये की धनराशि इसके निर्माण के लिए दी। ताल्लुकेदारों ने 30 लाख रुपए चंदा दिया था।

संयुक्त प्रांत (यूपी) के उस समय के गवर्नर सर मारकाम हेलेट उस समय के युवा छात्र संगठन के उभार को लेकर काफी चिंतित थे। सरकार की ओर से इनकी कार्रवाई के लिए इलाहाबाद, बनारस, आगरा, अलीगढ़ और लखनऊ के छात्रों की एक बैठक लखनऊ विश्वविद्यालय के उप कुलपति द्वारा बुलाई गई। गदर पार्टी के फिर पंजाब एक अविकल भारतीय छात्र संगठन का निर्माण नहीं किया गया तो विप्लव प्रभावित

विश्वविद्यालय का पहला दीक्षांत समारोह 30 अक्टूबर 1922 में केजीएमयू के परिसर में हुआ। वायसर सर हरकोर्ट बटलर ने दीक्षांत समारोह की शुरुआत की थी। कुलपति ने डॉक्टर ऑफ लिट्रेचर की पहली मानद उपाधि सर हरकोर्ट बटलर को दी।

एलयू सौ बरस की अनूठी कहानियां

अयाज अहमद इस्लाही बने लूटा अध्यक्ष

एनबीटी,लखनऊः लखनऊ विश्वविद्यालय के डॉ. नीरज जैन के सेवानिवृत्त होने के बाद डॉ. अयाज अहमद इस्लाही को लूटा का अध्यक्ष बनाया गया है। ये फैसला लूटा ने अपनी कार्यकारिणी बैठक में भंगलवार को लिया।

डॉ. नीरज जैन के रक्त नवंबर को सेवानिवृत्ति के बाद लखनऊ विश्वविद्यालय शिक्षक संघ (लूटा) के बचे हुए कार्यकाल के लिए लूटा के वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ. अयाज अहमद इस्लाही शिक्षक संघ के अध्यक्षीय दायित्वों का निर्वहन करेंगे।

1921 को हुई एकेडमिक काउंसिल की पहली बैठक

प्रो. बीएन पुरी अपनी किताब 'हिस्ट्री ऑफ लखनऊ यूनिवर्सिटी' में लिखते हैं, पहले कुलपति ज्ञानेंद्र नाथ चक्रवर्ती की मेहनत और लगन का नतीजा था कि सत्र शुरू हो गया। एक 1921 के मई-जून में दिन रात एक करके लखनऊ विश्वविद्यालय के लिए बेहतरीन शिक्षकों की तलाश की गई। विश्वविद्यालय की पहली एकेडमिक काउंसिल की बैठक 10 अगस्त 1921 में हुई। इससे, प्रो. राधा कमल मुखर्जी, प्रो. बीरबल साहनी जैसे दिग्गज शिक्षाविद थे।

सर हरकोर्ट बटलर को मिली पहली मानद उपाधि

विश्वविद्यालय का पहला दीक्षांत समारोह 30 अक्टूबर 1922 में केजीएमयू के परिसर में हुआ। वायसर सर हरकोर्ट बटलर ने दीक्षांत समारोह की शुरुआत की थी। कुलपति ने डॉक्टर ऑफ लिट्रेचर की पहली मानद उपाधि सर हरकोर्ट बटलर को दी।

शताब्दी समारोह में शामिल होंगे क्रिकेटर सुरेश रैना

एनबीटी, लखनऊः लखनऊ विश्वविद्यालय के शताब्दी समारोह में विवि के पूर्व छात्र और क्रिकेटर सुरेश रैना भी हिस्सा लेंगे। रैना 24 या 25 नवंबर को होने वाले कार्यक्रमों में शामिल हो सकते हैं। उनके साथ उनकी पत्नी भी आएंगी। प्रो. आलोक कुमार राय ने ये जानकारी मंगलवार को आयोजित प्रेस वार्ता में दी। कुलपति ने कहा कि सुरेश रैना एलयू के पूर्व छात्र रहे हैं और वे विश्वविद्यालय के प्रति अपनी भावनाओं को व्यक्त करना चाहते हैं। इसलिए उन्होंने खुद ही संदेश भेज कर कार्यक्रम में आने की पुष्टि की है। 24 नवंबर को अंतरराष्ट्रीय एल्युमिनाई मीट होगी। जिसमें देश भर से एल्युमिनाई शामिल होंगे जबकि अंतरराष्ट्रीय पूर्व छात्र वर्चुअल रूप से शामिल होंगे।

पत्नी के साथ 24 या 25 नवंबर को शामिल हो सकते हैं एलयू के पूर्व छात्र सुरेश रैना

रक्षामंत्री भी करेंगे शिरकत

स्थापना दिवस के कार्यक्रमों में मुख्यमंत्री और रक्षामंत्री ने भी शामिल की पुष्टि कर दी है। वहीं 19 नवंबर को मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शिरकत करेंगे। जबकि 25 नवंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वर्चुअली शामिल होंगे। इस दौरान रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहेंगे।

i-NEXT PAGE 3

कैंपस में हर जगह है वही माहौल.

हम भी हैं जोश में.

एलयू के शताब्दी वर्ष के गवाह बनेंगे पूर्व छात्र सुरेश रैना

उद्घाटन समारोह में सीएम होंगे मुख्य अतिथि, स्थापना दिवस में रक्षामंत्री होंगे शामिल

LUCKNOW (17 Nov inext): एलयू के शताब्दी समारोह में यूनिवर्सिटी के पूर्व छात्र और पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर सुरेश रैना भी भाग लेंगे. उन्होंने वीसी प्रो. आलोक कुमार राय को संदेश देकर इस बात की पुष्टि की है. सुरेश रैना 24 या 25 नवंबर को होने वाले कार्यक्रमों में शामिल हो सकते हैं. उनके साथ उनकी पत्नी भी आएंगी. प्रो. आलोक कुमार राय ने ये जानकारी मंगलवार को दी.

आने की इच्छा जाहिर की

वीसी ने कहा कि सुरेश रैना हमारे छात्र रहे हैं और वे यूनिवर्सिटी के प्रति अपनी भावनाओं को व्यक्त करना चाहते हैं इसलिए उन्होंने खुद ही संदेश भेज कर कार्यक्रम में आने की पुष्टि की है. उनके आने से कार्यक्रम का गौरव और भी बढ़ेगा. वे 24 या 25 के कार्यक्रम में शामिल होंगे. 24 नवंबर को अंतरराष्ट्रीय एल्युमिनाई मीट होगी, जिसमें देश भर से एल्युमिनाई शामिल होंगे जबकि अंतरराष्ट्रीय पूर्व छात्र वर्चुअल रूप से शामिल होंगे.

रक्षामंत्री भी करेंगे शिरकत

वीसी ने बताया कि स्थापना दिवस के कार्यक्रमों में मुख्यमंत्री और रक्षामंत्री ने भी शामिल होने को लेकर पुष्टि कर दी है. वहीं 19 नवंबर को शताब्दी वर्ष समारोह के आगाज में मुख्य अतिथि जिनमे भी प्रोटोकॉल हैं, उनका सख्ती से पालन करवाया जाएगा ताकि किसी के स्वास्थ्य को कोई खतरा न हो.

जोरशोर से हो रहा है रिहर्सल.

पढ़ाई रहेगी स्थगित

लखनऊ यूनिवर्सिटी में 19 से 25 नवंबर के बीच पढ़ाई स्थगित रहेगी. स्थापना दिवस समारोह के मद्देनजर यह फैसला लिया गया है. कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह ने बताया कि कोई भी अधिकारी, कर्मचारी, शिक्षक इस दौरान बिना वीसी की अनुमति के मुख्यालय नहीं छोड़ेंगे.

करेंगे. इस दौरान रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री योगी भी मौजूद रहेंगे.

प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन

प्रो. राय ने बताया कि किसी भी कार्यक्रम में 500 से अधिक लोगों की मौजूदगी नहीं होगी. मालवीय सभागार में एक सीट छोड़ कर दूसरी पर दर्शक बैठेंगे. इसके अलावा कोरोना संबंधित जितने भी प्रोटोकॉल हैं, उनका सख्ती से पालन करवाया जाएगा ताकि किसी के स्वास्थ्य को कोई खतरा न हो.

HINDUSTAN PAGE 4

एलयूः ताल्लुकेदारों के सुनहरे ख्वाबों की तस्वीर

3000 रुपये वेतन पर पहले कुलपति ग्रामीण बने थे

1200 रुपये वेतन पर टीएचओ डोनेल कुलसचिव बने

अवध के ताल्लुकेदारों के सुनहरे ख्वाबों की तस्वीर लखनऊ विश्वविद्यालय। पांच दिनों में हमारा विश्वविद्यालय आपकी उम्र के 100वें वर्ष की दहलीज पर होगा। 25 नवंबर, 1920 को इस सुनहरे इतिहास की नींव रखी गई थी। लखनऊ का हर घराना अपने में एक बौरावतारी इतिहास संजोए हुए है। यह विश्वविद्यालय प्रकाशन विभागीय दस्तावेजों में रच है। आचार्य नरेंद्र देव, तत्कालनाथ मुकर्जी जैसे विचारकों ने यहां कुलपति का पद संभाला। पूर्व राष्ट्रपति डॉ. शंकर दयाल शर्मा ने लेखक उपाध्याय व्याख्यान दिया अनंत, अनुप जलोटा, नाभी विकिरक्षक डॉ. वरेन रेड्डा, पूर्व राज्यपाल सैयाद सिबते रजी जैसे पुरोधों ने इस बगिया की महक को देश दुनिया तक पहुंचाया। इस ऐतिहासिक घड़ी में आपका अपना अखबार विन्दुदलाल एल्ट्रिक्स भूंडला लेकर आया है। इसकी पहली कड़ी में हम पेश कर रहे हैं कुल देशी घटनाएं जो विश्वविद्यालय के इतिहास में मील का पत्थर साबित हुई।

विश्वविद्यालय के 100वें स्थापना दिवस को लेकर जगह में जबरदस्त उत्साह है। छात्र कार्यालय को लेकर जोर-शोर से तैयारियां कर रहे हैं।

बढ़ता गया कारवां

पहली एकेडमिक काउंसिल के नगीने

पहले कुलपति ज्ञानेंद्र नाथ चक्रवर्ती की मेहनत और लगन का नतीजा था कि सत्र शुरू हो गया। विश्वविद्यालय की पहले एकेडमिक काउंसिल की बैठक 10 अगस्त 1921 में हुई। इसमें, प्रो. राधा कमल मुखर्जी, प्रो. बीरबल साहनी जैसे दिग्गज शिक्षाविद थे।

पहली मानद उपाधि बटलर को

विश्वविद्यालय का पहला दीक्षांत समारोह 30 अक्टूबर 1922 में केजीएमयू के परिसर में हुआ। वायसर सर हरकोर्ट बटलर ने दीक्षांत समारोह की शुरुआत की थी। कुलपति ने डॉक्टर ऑफ लिट्रेचर की पहली मानद उपाधि सर हरकोर्ट बटलर को दी।

प्रदेश की पहली नक्षत्रशाला

गणित एवं खगोल विज्ञान विभाग में प्रदेश की पहली नक्षत्रशाला स्थापित की गई। 1950 में प्रो. एएन सिंह के प्रयासों से इसकी शुरुआत हुई। एक अन्य में आकाश के सरसों को ऊंचाल करने में इसकी काफी भूमिका रही है।

उत्तरी ध्रुवीय पर पहले भारतीय दल में प्रो. सिंह

2007 में भारत सरकार ने अपने पहले भारतीय दल को आर्कटिक अभियान पर भेजा। इस पहली टीम में 15 अगस्त 2007 को उत्तर ध्रुव पर तिरंगा फहराया। इसके, लखनऊ विश्वविद्यालय के भूगर्भ विभाग के डा. ध्रुव सेन सिंह भी मौजूद थे।

अमेरिकन वास्तुकार ने बनाई ईमेल लाइबेरी

टेगोर पुस्तकालय को मॉडल वास्तुकार कार्ल फिलिप ने डिजाइन किया था। टेगोर लाइब्रेरी में इलेक्ट्रिकल मीजर्स ग्रामोफोन रिकार्ड्स संग्रहित थे।

मंगलवार को हेड कांस्टेबल में कार्यक्रमों की जानकारी देते कुलपति।

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के शताब्दी समारोह की शुरुआत मंगलवार 19 नवम्बर से की जा रही है। 25 नवम्बर तक चलने वाले इस समारोह का उद्घाटन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे। 19 नवंबर को सुबह 11 से 12 बजे के बीच मालवीय सभागार में होने वाले इस कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री डा. दिनेश शर्मा भी मौजूद रहेंगे।

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने मंगलवार को आयोजित प्रेस वार्ता में यह जानकारी दी। उन्होंने कथाव कि स्थापना दिवस समारोह के बीच 21 नवंबर को इस्तालिन दीक्षांत समारोह होगा। इस दीक्षांत समारोह में 1200 से अधिक छात्रों को डिग्री प्रदान की जायेगी। इसके अलावा 24 नवंबर को एल्युमिनाई मीट होगी। इसमें देश विदेश से पूर्व छात्र शामिल होंगे। इसके अलावा 25 नवंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वर्चुअली शामिल होंगे। इस दौरान रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहेंगे।

सवाल : लविवि अपने 100 साल पूर कर रहा है। इस महत्वपूर्ण अवधि के दौरान कुलपति रहने का आप कैसे देखते हैं?

जवाब : मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं इतनी बड़ी विश्वविद्यालय के 100 में स्वर्णिम वर्ष का अहम कुलपति साबी बनूंगा। ये मेरे लिए बहुत खुशी की बात है। 100 वें वर्ष तक आते-आते हम अनेक बदलाव पाता पर देखे हैं। आने वाले समय में देश की क्रिष्ठ यूनिवर्सिटी में लविवि को शामिल करने के प्रयास किए जाते रहेंगे।

सवाल : क्या माना जाए भविष्य में विद्यार्थियों के लिए एलयू में और क्या नया रहा है?

जवाब : हमारे लिए अब काम करने के दो प्रमुख बिंदु हैं। पहला, विद्यार्थी प्रत्येक निर्णय के केंद्र में होंगे। दूसरा, सब मिलकर काम करेंगे। मतलब यह है कि प्रत्येक निर्णय में न केवल विद्यार्थियों का लाभ होगा, बल्कि वे इसमें शामिल भी होंगे। जितनी भी कमेटियां हैं, उनमें छात्र-छात्राओं के प्रतिनिधि भी शामिल किए जा रहे हैं।

सवाल : विद्यार्थी अगर अपनी बात कहना चाहते हैं तो क्या आप उनका स्वागत करेंगे?

जवाब : बिल्कुल। सभी छात्र-छात्राओं का स्वागत है। हम उनकी वजह से ही यहां बैठे हैं इसलिए उनको उपेक्षा असंभव है। वे मुझसे आकर मिल सकते हैं, मगर छात्र नेताओं के प्रति मेरा कोई लगाव नहीं है। मैं सभी छात्रों के बारे में बराबर सोचता हूं। मेरा दरवाजा सभी के लिए खुला है।

सवाल : कोरोना काल में किस तरह से पढ़ाई को संभाला गया?

जवाब : कोविड काल में हमारे अक्टूबर विभाग ने शानदार काम किया। हमारी वेबसाइट पर पिछले आठ महीनों में 1.85 करोड़ हिट हैं। हमारे ऑनलाइन प्लेटफार्म स्टेट के जरिये यूपी और पीजी का करीब 70 फीसद कोर्स पूरा किया जा चुका है। इस लेनिंग प्लेटफार्म के जरिये बच्चे आसानी से अपने विषय की पढ़ाई कर रहे हैं।

सवाल : विद्यार्थियों को सस्ती पढ़ाई किस तरह मिल सकेगी?

जवाब : हमारी यूनिवर्सिटी में वैसे फीस बहुत कम है, मगर हमको समाज से मदद की जरूरत है। लोग विश्वविद्यालय की मदद करें ताकि हम और सस्ती शिक्षा विद्यार्थियों के से कहें। कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल भी इसको लेकर हमारी मदद कर रही हैं।

सवाल : 100 वें साल में हो रहे आयोजनों को किस तरह से यादगार बनाएंगे?

जवाब : हम पध्य आयोजन करने जा रहे हैं। किसी तरह की कोई कमी नहीं रहेगी जाएगी। वे हम सभी के लिए एक यादगार आयोजन होगा।

JAGRAN CITY PAGE III

छात्रों के लिए और उन्हीं के जरिये चलेगा लविवि

लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति **प्रो. आलोक कुमार राय** एक प्रयोग करें। प्रयोग में जनवरी 10 किताबें छप चुकी हैं। अनेक शोध पत्र दुनिया के प्रतिष्ठित जर्नलों में प्रकाशित हो चुके हैं। दुनिया के प्रसिद्ध प्रशर कुकर ब्रांड स्टॉकि